Video 1

Video 2

Challenge of Ramsukhdasji – Scan QR

पारमार्थिक उन्नति इतनी सुगम सरलता से कि जिसमें भविष्य नहीं है और क्रिया और पदार्थ की जरूरत नहीं है। यह बात कहीं भी मिलती नहीं है। आप इतनों के सामने मैं कहता हूँ, किसी जगह मिली है तो आप बताओ। एक जगह (शरणानन्दजी से) ही मिलती है, दो जगह मिलती ही नहीं। इतनी बढ़िया बात इतनी सरल इतनी सुगम मैंने कहीं नहीं देखी है, कहीं सुनी नहीं है। किसी भाषा में देखी नहीं है, सुनी नहीं है। (प्रवचन 17-8-2001, 8:30 am)

शरणानन्दजी के सम्पूर्ण साहित्य के लिए scan 10 Volumes QR

PDF BOOKS IN HINDI

Vol-1 Vol-2 Vol-3 Vol-4 Vol-5

शरणानन्दजी की बातें सम्पूर्ण शास्त्रों का अन्तिम तात्पर्य है। -रामसुखदासजी

Vol-6 Vol-7 Vol-8 Vol-9 Vol-10

आत्मा की प्रतिध्वनि

Dr. Boss - Director of Psychiatrist Institute of Switzerland

More and more we study in psychology, we find ourselves hanging in the air. Our findings are base-less. Therefore I want to come to Indian Saints *(Sharnanandji)* to find "something solid, something more dependable"

-देवकीजी, जीवन विवेचन भाग-1, प्रवचन 8, पृष्ठ 104, कैसेट 4B

करण-निरपेक्ष साधन शैली ही सर्वोच्च है -रामसुखदासजी

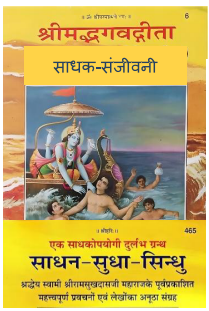

Scan QR
Pamphlet

Dr. Satinder Dhiman – Ph.D., Ed.D. – U.S.A.

All the philosophies of the world on one side and Sharnanandji's philosophy on one side. He is certainly the most "Unique" and "Original" of all thinkers and saints that I have come across in my 35+ years of search..!! If his ideas become truly known it will certainly create a "Revolution" in the world!

प्रश्न : अन्य कार्यक्रमों की अपेक्षा उपस्थिती कम क्यों रहती है ?

भैया ! यह सत्संग तो संसद की तरह से है, जिसमें केवल चुने हुए प्रतिनिधि ही पधारते है । .. तुम देखना अच्छे-अच्छे लोग आयेंगे, यह साहित्य फैलेगा, जिसकी वर्तमान युग में अत्यंत आवश्यकता है । यह शरणानन्द का कार्य नहीं, * प्रभु का कार्य है * । -साभार तरुतले से